राष्ट्रीय आय

राष्ट्रीय आय किसी भी अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन और स्वास्थ्य को मापने का सबसे महत्वपूर्ण मापदंड है। यह एक निश्चित अवधि (सामान्यतः एक वित्तीय वर्ष) में किसी देश की अर्थव्यवस्था द्वारा उत्पादित समस्त अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के मौद्रिक मूल्य का योग होती है। राष्ट्रीय आय की सही समझ आर्थिक नियोजन, नीति निर्माण और अंतर्राष्ट्रीय तुलनाओं के लिए अपरिहार्य है।

राष्ट्रीय आय की संकल्पना

राष्ट्रीय आय से तात्पर्य किसी देश में एक वित्तीय वर्ष के दौरान सामान्य निवासियों द्वारा अर्जित **कारक आय (Factor Income)** के कुल योग से है। दूसरे शब्दों में, यह देश के आर्थिक प्रदर्शन को दर्शाने वाला एक व्यापक संकेतक है।

कारक आय (Factor Income): यह आय उत्पादन के कारकों (भूमि, श्रम, पूंजी और उद्यम/उद्यमिता) को उनकी सेवाओं के बदले में प्राप्त होती है।

- **भूमि के लिए:** किराया
- **श्रम के लिए:** मज़दूरी और वेतन
- **पूंजी के लिए:** ब्याज़
- **उद्यम के लिए:** लाभ

राष्ट्रीय आय का महत्व:

- यह देश के आर्थिक विकास की गति (Growth Rate) को इंगित करता है।
- विभिन्न देशों के जीवन स्तर और आर्थिक शक्ति की तुलना करने में सहायक।
- सरकार को मंदी (Recession), मुद्रास्फीति (Inflation) या रोज़गार जैसे मुद्दों से निपटने के लिए नीतियाँ बनाने में सहायता मिलती है।

2. राष्ट्रीय आय के विभिन्न घटक

राष्ट्रीय आय को मापने के लिए विभिन्न अवधारणाओं का प्रयोग किया जाता है, जो उनकी परिधि और गणना के तरीके में भिन्न होती हैं।

2.1. सकल घरेलू उत्पाद (Gross Domestic Product - GDP)

- एक वित्तीय वर्ष के दौरान किसी देश की **घरेलू सीमा (Domestic Territory)** के भीतर उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का **बाज़ार मूल्य** सकल घरेलू उत्पाद कहलाता है।
- यह भौगोलिक सीमा पर केंद्रित है, अर्थात इसमें घरेलू सीमा के भीतर विदेशियों द्वारा अर्जित आय शामिल होती है, लेकिन देश के निवासियों द्वारा विदेश में अर्जित आय शामिल नहीं होती।

$$GDP = C + I + G + (X - M)$$

(C=उपभोग, I=निवेश, G=सरकारी व्यय, X-M=शुद्ध निर्यात)

2.2. सकल राष्ट्रीय उत्पाद (Gross National Product - GNP)

- यह एक वित्तीय वर्ष के दौरान किसी देश के सामान्य निवासियों द्वारा देश के अंदर या बाहर उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का बाज़ार मूल्य है।
- यह राष्ट्रीयता पर केंद्रित है। इसमें GDP में विदेशों से प्राप्त शुद्ध कारक आय (Net Factor Income from Abroad - NFIA) को जोड़ा जाता है।
- **शुद्ध कारक आय (NFIA): निवासियों द्वारा विदेश में अर्जित आय - विदेशियों द्वारा देश में अर्जित आय।**

$$\mathbf{GNP=GDP+NFIA}$$

2.3. शुद्ध घरेलू उत्पाद (Net Domestic Product - NDP)

- NDP, GDP का शुद्ध रूप है, जो उत्पादन प्रक्रिया के दौरान पूंजीगत वस्तुओं के मूल्य में होने वाली टूट-फूट या घिसावट (मूल्यह्रास - Depreciation) को घटाकर प्राप्त होता है।
- यह अर्थव्यवस्था में हुए वास्तविक, शुद्ध उत्पादन को दर्शाता है।

$$\mathbf{NDP=GDP-मूल्यह्रास}$$

2.4. शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (Net National Product - NNP)

- NNP, GNP का शुद्ध रूप है, जो सकल राष्ट्रीय उत्पाद में से मूल्यह्रास को घटाने के बाद प्राप्त होता है।
- NNP को कारक लागत (Factor Cost) पर मापने पर ही इसे राष्ट्रीय आय कहा जाता है।

सूत्र:

$$\mathbf{NNP=GNP-मूल्यह्रास}$$

$$\mathbf{राष्ट्रीय\ आय=NNP(Factor\ Cost)}$$

3. राज्य स्तरीय राष्ट्रीय आय के घटक

राष्ट्रीय आय की गणना के समान ही, राज्य स्तर पर भी आर्थिक प्रदर्शन को मापने के लिए कुछ घटक उपयोग किए जाते हैं:

3.1. सकल राज्य घरेलू उत्पाद (Gross State Domestic Product - GSDP)

- एक वित्तीय वर्ष के दौरान किसी राज्य की भौगोलिक सीमाओं के भीतर उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का कुल बाज़ार मूल्य।
- यह किसी राज्य के आर्थिक आकार और उत्पादक क्षमता को दर्शाता है।

3.2. शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद (Net State Domestic Product - NSDP)

- GSDP में से राज्य स्तर पर होने वाले मूल्यह्रास को घटाने के बाद प्राप्त मूल्य।
- यह किसी राज्य की वास्तविक, शुद्ध आय का प्रतिनिधित्व करता है और प्रति व्यक्ति आय की गणना के लिए आधार होता है।

4. विभिन्न घटकों के बीच अंतर का सार

घटक	परिभाषा का आधार	संबंध	मुख्य उपयोगिता
GDP	घरेलू सीमा	भौगोलिक उत्पादन	अंतर्राष्ट्रीय तुलना, देश का आर्थिक आकार।
GNP	सामान्य निवासी	GDP + NFIA	राष्ट्रीय निवासियों की कुल आर्थिक शक्ति।
NDP	शुद्ध घरेलू	GDP - मूल्यह्रास	वास्तविक शुद्ध घरेलू उत्पादन।
NNP	शुद्ध राष्ट्रीय	GNP - मूल्यह्रास	**राष्ट्रीय आय** की गणना का आधार।

5. राष्ट्रीय आय की गणना में कीमतों की भूमिका

राष्ट्रीय आय के विभिन्न घटकों की गणना करते समय कीमतों के तीन प्रमुख मापदंडों का उपयोग किया जाता है, जो गणना के अंतिम मूल्य को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं:

5.1. कारक लागत (Factor Cost)

- यह उस आय को दर्शाता है जो उत्पादन के कारकों (किराया, मज़दूरी, ब्याज़, लाभ) को उनके योगदान के लिए प्राप्त होती है। यह उत्पादन की लागत (Cost of Production) के संदर्भ में आय है।

$$\textbf{कारक लागत} = \textbf{बाज़ार मूल्य} - \textbf{अप्रत्यक्ष कर} + \textbf{सब्सिडी}$$

5.2. बाज़ार मूल्य (Market Price)

यह वह कीमत है जिस पर अंतिम वस्तुएँ और सेवाएँ उपभोक्ताओं को बाज़ार में बेची जाती हैं। इसमें सरकार द्वारा लगाए गए **अप्रत्यक्ष कर (Indirect Taxes)** शामिल होते हैं और **सब्सिडी (Subsidies)** घटी हुई होती है।

बाज़ार मूल्य = कारक लागत + अप्रत्यक्ष कर − सब्सिडी

5.3. स्थिर मूल्य (Constant Price)

- किसी विशेष आधार वर्ष (Base Year) की कीमतों का उपयोग करके राष्ट्रीय आय की गणना करना।
- मूल्यह्रास (Inflation) के प्रभाव को हटाना ताकि आर्थिक विकास दर में वास्तविक (Real) वृद्धि का पता चल सके। स्थिर मूल्य पर गणना किए गए GDP को **वास्तविक GDP (Real GDP)** कहते हैं।
- वर्तमान में राष्ट्रीय आय की गणना के लिए **2011-12** को आधार वर्ष के रूप में प्रयोग किया जाता है।

5.4. वर्तमान मूल्य (Current Price)

- राष्ट्रीय आय की गणना उसी वर्ष की कीमतों (चालू वर्ष की कीमतें) का उपयोग करके करना।
- अर्थव्यवस्था के कुल मौद्रिक आकार का पता लगाना। वर्तमान मूल्य पर गणना किए गए GDP को **सांकेतिक GDP (Nominal GDP)** कहते हैं।
- यह वास्तविक उत्पादन वृद्धि के साथ-साथ मुद्रास्फीति के प्रभाव को भी दर्शाता है, जिससे विकास दर का अतिशयोक्तिपूर्ण अनुमान प्राप्त हो सकता है।

6. वर्तमान संदर्भ और राष्ट्रीय आय से संबंधित नवीनतम आँकड़े

राष्ट्रीय आय की गणना की पद्धति में लगातार सुधार किए जाते हैं। 2015 से, भारत ने GDP की गणना के लिए **कारक लागत** के बजाय **सकल मूल्य वर्धन (Gross Value Added - GVA)** को अपनाया है, हालाँकि GDP की गणना बाज़ार मूल्य पर ही जारी है। GVA अधिक पारदर्शिता प्रदान करता है।

नवीनतम आँकड़े (राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय - NSO, Q2, FY 2024-25 के अनुमान):

- भारत की अर्थव्यवस्था ने Q2, FY 2024-25 में **7.8%** की वास्तविक GDP वृद्धि दर दर्ज की है, जो इसे दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनाती है।
- **सकल मूल्य वर्धन (GVA)** में भी लगभग **7.4%** की वृद्धि हुई है, जो मुख्य रूप से सेवा क्षेत्र और विनिर्माण के बेहतर प्रदर्शन को दर्शाता है।

7. निष्कर्ष

राष्ट्रीय आय की विभिन्न अवधारणाएँ (GDP, GNP, NDP, NNP) और उनकी गणना के तरीके (बाज़ार मूल्य, कारक लागत, स्थिर/वर्तमान मूल्य) भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन का बहुआयामी दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। GDP बाज़ार मूल्य पर अर्थव्यवस्था के कुल आकार को दर्शाता है, जबकि **कारक लागत पर NNP** (शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद) वास्तविक **राष्ट्रीय आय** का माप है। सरकार

और नीति निर्माताओं के लिए, स्थिर कीमतों पर गणना किए गए इन सूचकांकों का उपयोग करके बनाई गई नीतियाँ ही देश को सतत और समावेशी विकास की ओर ले जा सकती हैं।